यहाँ किस को कहे अपना सभी कहने को अपने है लिरिक्स

यहाँ किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है,
जब परखा जरूरत पे,
लगा अपने बस सपने है,
यहां किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है।bd।

तर्ज – आ लौट के आजा।

जिनको है अपना समझ समझ कर,
सब कुछ अपना खोया,
इस जीवन में उनकी वजह से,
बस रोया ही रोया,
अपनों के भरोसे पे,
सिर्फ अरमा ही मचलने है,
जब परखा जरूरत पे,
लगा अपने बस सपने है,
यहां किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है।bd।

अर्थ बिना कोई अर्थ नही है,
अर्थ अनर्थ कराता,
अर्थ की नियति है भाई से,
भाई को लड़वाता,
थोड़े से स्वार्थ में,
तो निज में बैर पनपता है,
जब परखा जरूरत पे,
लगा अपने बस सपने है,
यहां किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है।bd।

श्याम ही नैया श्याम खिवैया,
श्याम ही पालनहारा,
जिसकी नैया श्याम भरोसे,
मिलता उसे किनारा,
‘संजू’ अजमाकर देख,
सिर्फ [illegible] ही अपने है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जब परखा जरूरत पे,
लगा अपने बस सपने है,
यहां किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है।bd।

यहाँ किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है,
जब परखा जरूरत पे,
लगा अपने बस सपने है,
यहां किस को कहे अपना,
सभी कहने को अपने है।bd।

स्वर – श्याम सिंह जी चौहान।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com